https://www.upboardonline.com/

(33) ट्रेड-हैण्ड ब्लाक प्रिंटिंग एवं वेजेटेबुल डाइंग

कक्षा–11

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालय में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है :–

प्रथम प्रश्न-पत्र
(टेक्सटाइल विज्ञान एवं डिजाइन)

2-(क) रंग की परिभाषा एवं सिद्धान्त,
(ख) रंग चक्र का निर्माण।

द्वितीय प्रश्न-पत्र
(ड्राइंग एवं कलर स्कीम)

4-1-ब्रेथाल का अध्ययन, साल्ट तथा बेस से प्रतिक्रिया एवं सल्फर रंग।
2-ब्लीचिंग की विस्तृत जानकारी।

तृतीय प्रश्न-पत्र
(एडवांस ब्लाक डिजाइनिंग)

4-पतले वायल पर आरगन्डी सूती वस्त्रों पर उपर्युक्त डिजाइन का चुनाव विशेषता।
जाली वाले वस्त्र के लिये डिजाइन की विशेषता, महत्व।

चतुर्थ प्रश्न-पत्र
(हैण्ड ब्लाक प्रिंटिंग)

4-ब्लाक बनाने की तकनीक का अध्ययन।

पंचम प्रश्न-पत्र
(ब्लाक प्रिंटिंग उद्योग एवं प्रबन्ध)

4- 3-ब्लाक डिजाइनिंग में लगने वाले प्रत्येक उपकरण और सामग्री का तकनीकी ज्ञान।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

(33) ट्रेड-हैण्ड ब्लाक प्रिंटिंग एवं वेजेटेबुल डाइंग

उद्देश्य-

1-विभिन्न प्रकार के तन्तुओं, धागों एवं वस्त्रों की पहचान एवं उनका चुनाव करने के योग्य बनाना।
2-रंगाई और हस्त ब्लाक छपाई की विभिन्न तकनीकों के लिये विभिन्न प्रकार के रंजकों, रंगों, धागों एवं कपड़ों की पहचान कराना तथा उनका चुनाव करने में सहायता प्रदान करना।
3-विभिन्न प्रकार की यंत्र कलाओं में प्रयोग किये जाने वाले साज-सज्जा उपकरणों तथा सहायक सामग्री का चुनाव करने में दक्ष बनाना।
4-साज सामान की रख-रखाव एवं उनके उपयोग के लिये दक्षता का विकास करना।
5-उपलब्ध उपकरणों के स्रोतों के अधिकाधिक प्रयोग को सुनिश्चित करना।
6-रंगाई, छपाई एवं डिजाइन के लिये कल्पनात्मक सौन्दर्य का विकास करना।
7-बाजार की प्रचलित नवीनतम फैशन प्रवृत्ति का परिचय करना।
8-योजना को स्थापित करने में उसके निर्देशन एवं रख-रखाव में आत्म-निर्भरता प्राप्त करना।
9-नियोजित ढंग के कार्य का विस्थापन करना।
10-कार्य को पूरा करने और बण्डल बांधने की विधियों से अवगत कराना।
11-उद्योग धन्धों के विकास को समझना और उसे बुद्धिमत्ता से ग्रहण करने की क्षमता का विकास करना।
12-उपलब्ध साधनों और यंत्र कलाओं के मूल डिजाइन का निर्माण करने की कला का विकास करना।
13-सम्बन्धित व्यवसाय में कार्य करने वाले अन्य लोगों के साथ सहयोग करने की प्रवृत्ति का विकास करना।
14-सूचना देने के लिये प्रभावशाली एवं साधारण संचार साधनों की तकनीक से अवगत कराना।

स्वरोजगार के अवसर-

1-स्वरोजगार के अन्तर्गत अपनी इकाई स्वयं लगाकर व्यवसाय कर सकता है।
2-मजदूरी रोजगार जिसमें लोग दूसरे के लिये कार्य करते हैं, उसके लिये वह पारिश्रमिक पाते हैं।
3-रंगसाज बन सकते हैं।
4-डिजाइनर-(1) रंगाई का डिजाइनर।
(2) ब्लाक छपाई का डिजाइनर।
5-हाबी कोर्स (अभिरुचि कक्षायें) केन्द्र खोला जा सकता है।
6-संग्रहालय सहायक (टेक्सटाइल अनुभाग) बन सकता है।

Downloaded From official website on dt 12-Nov-2021

https://www.upboardonline.com/

7-निर्देशक (कार्यानुभव हेतु स्कूल टेक्सटाइल क्राफ्ट हेतु)।
8-समापन तकनीशियन बन सकते हैं।

पाठ्यक्रम-

इस ट्रेड में तीन-तीन घण्टे के पांच प्रश्न-पत्र और प्रयोगात्मक परीक्षा भी होगी। अंकों का विभाजन निम्नवत् रहेगा-

	पूर्णांक		उत्तीर्णांक	
(क) सैद्धान्तिक-				
प्रथम प्रश्न-पत्र	60		20	
द्वितीय प्रश्न-पत्र	60		20	
तृतीय प्रश्न-पत्र	60	300	20	100
चतुर्थ प्रश्न-पत्र	60		20	
पंचम प्रश्न-पत्र	60		20	
(ख) प्रयोगात्मक-	400		200	

टीप-परीक्षार्थियों को प्रत्येक लिखित प्रश्न-पत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 20 तथा योग में 33 प्रतिशत अंक एवं प्रयोगात्मक परीक्षा में 50 प्रतिशत उत्तीर्णांक पाना आवश्यक है।

प्रथम प्रश्न-पत्र
(टेक्सटाइल विज्ञान एवं डिजाइन)

1-1-(क) तन्तु का परिचय, 20 अंक
(ख) वर्गीकरण,
(ग) परीक्षण।
2-(क) धागों का परिचय,
(ख) धागे का वर्गीकरण।
2-1-(क) डिजाइन की परिभाषा- 30 अंक
सिद्धान्त, आकार, लय, सादृश्य इत्यादि
(ख) परिप्रेक्ष्य के सिद्धान्त,
(ग) परिप्रेक्ष्य का वर्गीकरण, परिप्रेक्ष्य का डिजाइन में प्रयोग।
3-रंग योजना-
(क) सहयोगी,
(ख) विरोधी।
3-रंग का प्रभाव- 10अंक
(क) शेड, (ख) टिन्ट, (ग) टोन, (घ) रंग की वैल्यू, (ङ) गर्म रंग, (च) ठण्डे रंग।

द्वितीय प्रश्न-पत्र
(ड्राइंग एवं कलर स्कीम)

1-1-डाई का वर्गीकरण, वेजिटेबिल, डायरेक्ट, एसिड बेसिक तथा मारडेण्ट पिगमेन्ट रिऐक्टिव ब्रेथाल डंडगो वाल तथा सल्फर रंगों का संक्षिप्त अध्ययन। 20
2-डायरेक्ट, बेसिक पेरिस मारडेण्टा डाई का अध्ययन।
2-1-रियेक्टिव डाई ठण्डी तथा गर्म रंगों का अध्ययन। 20
2-एसिड तथा एसिड मारडेन्ट डाई का अध्ययन।
3-1-पिगमेन्ट एवं फ्लोरोमेन्ट पिगमेन्ट का अध्ययन। 20
2-इंडिमोसील तथा डिस्परसील रंगों का अध्ययन।

तृतीय प्रश्न-पत्र
(एडवांस ब्लाक डिजाइनिंग)

1-1-उत्तर प्रदेश ब्लाक डिजाइनिंग एवं प्रिंटिंग- 20
(क) आधुनिक एवं फैन्सी डिजाइन एवं छपाई।
(ख) वर्तमान डिजाइन पर अन्य प्रदेशों का एवं पुरानी पारम्परिक डिजाइन का प्रभाव।
2-(क) किसी भी डिजाइन में एवं ब्लाक डिजाइन में भिन्नता।
(ख) फैब्रिक स्ट्रक्चर का अर्थ, डिजाइनों का छोटा, बड़ा एवं पदार्थ आकार में तैयार करने की तकनीक। 20
2-राजस्थान की ब्लाक डिजाइन-स्थान, स्टाइल रंग योजना, कपड़ा तकनीक का अध्ययन।
3-काटन-केसमेन्ट, पॉपलीन, केम्ब्रिक पर बने ब्लाक डिजाइनों की विशेषता तथा महत्व। 20
काटन मोटे वस्त्रों के लिये उपर्युक्त डिजाइनों की विशेषता।

Downloaded From official website on dt 12-Nov-2021

https://www.upboardonline.com/

चतुर्थ प्रश्न-पत्र
(हैण्ड ब्लाक प्रिंटिंग)

1-1-ब्लाक प्रिंटिंग की उत्पत्ति एवं विकास। 20
2-ब्लाक प्रिंटिंग का इतिहास।
2-1-ब्लाक प्रिंटिंग की तकनीक, सीमाओं का ज्ञान। 20
2-ब्लाक प्रिंटिंग का वर्गीकरण, डायरेक्ट डिस्चार्ज पिगमेंट।
3-ब्लाक बनाने के लिये लकड़ी का चुनाव करना और ब्लाक काटने से पहले लकड़ी को तैयार करना। 20

पंचम प्रश्न-पत्र
(ब्लाक प्रिंटिंग उद्योग एवं प्रबन्ध)

1-1-ब्लाक प्रिंटिंग उद्योग-विभिन्न प्रकार के बड़े एवं छोटे उद्योग का विस्तृत अध्ययन। 20
2-उद्योग एवं लघु उद्योग लगाने के लिये आवश्यक बातों का विस्तृत अध्ययन।
2-छपे माल की बिक्री का माडल प्लान व बजट तैयार करना। 10
3-ब्लाक डिजाइनर उद्योग लगाना एवं माडल प्लान तैयार करना। 10
4-1-ब्लाक ड्राइंग उद्योग में लगने वाले उपकरण और सामग्री का अध्ययन। 20
2-ब्लाक प्रिंटिंग उद्योग में लगने वाले उपकरण और सामग्री का तकनीकी अध्ययन।

प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्न-पत्र के सन्दर्भ में-

1-(क) तन्तुओं का परीक्षण।
(ख) तन्तुओं का संग्रह।
2-(क) धागे की पहचान एवं वस्त्रों की पहचान।
(ख) धागों का नमूना फाइल तैयार करना।
3-(क) पदार्थ चित्रण, स्थित चित्रण, डिजाइन संयोजन।
(ख) प्रकृति चित्रण दृश्य, फल, पत्तियां, पशु-पक्षी।
4-(क) पदार्थ चित्रण पर आधारित डिजाइन संयोजन।
(ख) आकृति चित्रण पर आधारित संयोजन।
5-(क) डिजाइन में सहयोगी रंग योजना का प्रयोग।
(ख) डिजाइन में विरोधी रंग योजना का प्रयोग।
6-(क) डिजाइन में ठंडे रंगों का प्रयोग।
(ख) डिजाइन में गर्म रंगों का प्रयोग।
7-प्रारम्भिक डिजाइन का निर्माण एवं इनका वस्त्र डिजाइन में प्रयोग।

द्वितीय प्रश्न-पत्र के सन्दर्भ में-

1-इन रंगों से सूती कपड़ा रंगना तथा इनकी विशेषतयें देखना।
2-इन रंगों से रंगकर एवं छापकर सैम्पुल निकालना।
3-सिल्क रंगकर तथा छापकर सैम्पुल निकालना।
4-इन रंगों के लिये विशेष पेस्ट तैयार करना तथा छापना।
5-इन रंगों से रंगकर तथा छापकर देखना।
6-छापकर सैम्पुल निकालना।

तृतीय प्रश्न-पत्र के सन्दर्भ में-

1-आधुनिक एवं फैन्सी डिजाइन का निर्माण कार्य (कागज)।
2-ब्लाक की डिजाइन को कपड़े पर से बड़ा एवं छोटा करना (कागज)।
3-फैन्सी राजस्थानी स्टाइल की डिजाइन तैयार करना (कागज)।
4-काटन मोटे वस्त्रों के लिये आकर्षक डिजाइन का निर्माण कागज पर तैयार करें। कढ़ाई का प्रभाव वाली फैन्सी ब्लाक डिजाइन का निर्माण कागज पर करें।

चतुर्थ प्रश्न-पत्र के सन्दर्भ में-

1-सूती दुपट्टे पर ब्लाक छपाई करना।
2-ड्रेस (Dress) मैटीरियल का कपड़ा छापना।

Downloaded From official website on dt 12-Nov-2021

https://www.upboardonline.com/

3-टेबुल क्लाथ, मैट, डायनिंग सेट की छपाई करना।

4-वायल या आरगंडी की साड़ी छापना।

5-चादर पर ब्लाक प्रिंटिंग करना।

पंचम प्रश्न-पत्र के सन्दर्भ में-

1-विभिन्न प्रकार के बड़े उद्योगों के भ्रमण का अनुभव प्राप्त करना और अपने उद्योग लगाने के लिये डायरी तैयार करना।

2-छोटी-छोटी इकाइयों को जाकर देखना और उनकी कार्य प्रणाली से सहायता प्राप्त कर रिपोर्ट बनाना।

3-प्रिंटिंग उद्योग का नक्शा तैयार करना।

4-डिजाइन स्टूडियो का नक्शा तैयार करना।

5-प्रिंटिंग मेज की डिजाइन तैयार करना।

6-ड्राइंग बोर्ड की डिजाइन तैयार करना विभिन्न प्रकार की नापों में।

7-डिजाइन से सम्पर्क स्थापित कर डिजाइन रिपोर्ट तैयार करना।

प्रयोगात्मक परीक्षा की रूपरेखा

हैण्ड ब्लाक प्रिंटिंग विषय की प्रयोगात्मक परीक्षा का विभाजन निम्नवत् होगा-

आन्तरिक मूल्यांकन	200 अंक

नोट-समय 10 घंटा (दो दिनों में)

(क) लघु प्रयोग दो दिये जायें, प्रत्येक का समय 2+2=4 घण्टे।

(ख) दीर्घ प्रयोग दो दिये जायें, प्रत्येक का समय 3+3=6 घण्टे।

लघु प्रयोग-

		समय
प्रयोग नं0 1	20 अंक	2 घण्टे
प्रयोग नं0 2	20 अंक	2 घण्टे
मौखिक	10 अंक	-
	योग .. 50 अंक	

Downloaded From official website on dt 12-Nov-2021